

 सत्यमेव जयते	राजस्थान राजपत्र विशेषांक	RAJASTHAN GAZETTE Extraordinary
	साधिकार प्रकाशित	Published by Authority
	माघ 26, गुरुवार, शाके 1945-फरवरी 15, 2024 <i>Magha 26 Thursday, Saka 1945- February 15, 2024</i>	

भाग-1(ख)

महत्वपूर्ण सरकारी आज्ञायें।

वन विभाग (क)

विज्ञप्ति

जयपुर, दिसम्बर 08, 2023

संख्या प. 2(39)वन/2023 :-चूंकि निम्नलिखित अनुसूची में दिखाई गई वन-भूमि सरकार की सम्पत्ति है अथवा उनमें सरकार के स्वत्व है अथवा सरकार उनकी सम्पूर्ण वन उपज अथवा उनके किसी अंश की स्वत्वधारी (Entitled) है।

और चूंकि सरकार उपर्युक्त वन-भूमि तथा बंजर भूमि को राजस्थान फोरेस्ट एक्ट, 1953 की धारा 29 उप धारा (1) के अन्तर्गत रक्षित वन (Protected Forest) घोषित करने का विचार रखती है।

और चूंकि पूर्वोक्त भूमि में अथवा उस पर सरकारी अथवा वैयक्तिक अधिकारों की सीमा अथवा स्वरूप अभी तक किसी भी प्रकार के लेखबद्ध नहीं किये गये हैं।

और चूंकि सरकार यह भी विचार रखती है कि पूर्वोक्त वन भूमि अथवा बंजर भूमि में अथवा उन पर सरकारी या वैयक्तिक अधिकारों की सीमा तथा स्वरूप के संबंध में जांच किया जाना तथा उन्हें ले लेखबद्ध किया जाना आवश्यक है, परन्तु चूंकि इन कार्यों के सम्पादन में जितना समय लगेगा उस बीच में सरकार के अधिकारों को क्षति पहुंचने की आशंका है,

इसलिये अब राजस्थान फोरेस्ट एक्ट, 1953 (1953 की एक्ट संख्या 13) की धारा 29 की उप धारा (3) के द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, सरकार इसके द्वारा फोरेस्ट सेटलमेंट ऑफिसर/ असिस्टेंट फोरेस्ट सेटलमेंट ऑफिसर को पूर्वोक्त वन-भूमि अथवा बंजर-भूमि में या उन पर सरकारी अथवा वैयक्तिक अधिकारों की जांच करके उन्हें लेखबद्ध करने हेतु नियुक्त करती है, तथा ऐसी जांच तथा अभिलेखन तथा साक्ष्य उसी प्रणाली से किया जायेगा जैसाकि उक्त एक्ट की धारा 6,7,8,10,11 (1) 12,13,14,17 तथा 19 में प्रवाहित है।

और उक्त एक्ट की धारा 29 की उप धारा (3) के परन्तुक (Proviso) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के अग्रेतर अनुसरण में राजस्थान सरकार उक्त जांच तथा अभिलेखन सम्पादित होने तक उक्त वन-भूमि और बंजर-भूमि को इस विज्ञप्ति द्वारा रक्षित वन (Protected Forest) घोषित करती है, परन्तु इससे किसी व्यक्ति या वर्ग विशेष के वर्तमान अधिकारों में किसी भी प्रकार की कमी नहीं आयेगी और न उन पर कोई प्रभाव पड़ेगा।

और सरकार उक्त एक्ट की धारा 30 द्वारा प्रदत्त शक्तियों के अग्रेतर अनुसरण में यह भी घोषणा करती है कि उक्त संरक्षित वन के वे वृक्ष जो इसके संलग्न द्वितीय अनुसूची में अंकित किये गये हैं, राजपत्र में इस विज्ञप्ति के प्रकाशन की तारीख से आरक्षित (Reserved) है और पूर्वोक्त तारीख से उक्त वन में पत्थरों को हटाया जाना अथवा चूना या कोयला जलाया जाना अथवा किसी प्रकार की वन उपज का संग्रहित किया जाना अथवा उनसे किसी निर्माण प्रक्रिया का साधन बनाया जाना या हटाया जाना और उक्त वन में किसी भूमि का

कृषि अथवा भवन निर्माण अथवा पशु पालन अथवा किसी भी अन्य प्रयोजन के लिये खंडित किया जाना अथवा साफ किया जाना निषिद्ध करती है।

राज्यपाल की आज्ञा से,

मोनाली सेन,

विशिष्ट शासन सचिव, वन।

प्रथम अनुसूची (वन-भूमि और बंजर-भूमि)

क्र.सं.	नाम ब्लॉक	नाम तहसील	नाम जिला	सीमा	विवरण			
					ग्राम	खसरा नं.	रकबा (हैक्टर मे)	
1	2	3	4	5	6	7	8	
1	खातौली (ए)	उनियारा	टोंक	उत्तर-आराजी नं.- 987/6, 997/40	खातौली	13	9.50	
				पूर्व- आराजी नं.- 18, 19, 20, 21 22		14	1.24	
						पश्चिम - आराजी नं. 11, 12, 9, 871/10	16	2.97
							7	0.32
						दक्षिण- आराजी नं. 689] 690] 691] 688] 685] 693	8	9.9
				946/17			11.23	
योग						किता-6	35-16	
2	खातौली (बी)	उनियारा	टोंक	उत्तर-आराजी नं.- 1, 1018/2,	खातौली	988/6	3.78	
				दक्षिण- आराजी नं.- 997/940, 1000/998, 999/998, 939/15				
				पश्चिम -आराजी नं.- 987/6				
				पूर्व- आराजी नं.- 1019/2, 4, 5, 22				
				योग				

क्षेत्रीय वन अधिकारी
उनियारा

मरिय शाइन ए,
उप वन संरक्षक,
टोंक

द्वितीय अनुसूची
पेडों की सूची

क्र.स.	वानस्पतिक नाम	हिन्दी का नाम
1	Acacia Leucophloea	रौंझ
2	Acacia nilotica	देशी बबूल
3	Azadirachta indica.	नीम
4	Zizyphus nummularia	झड़ बेरी
5	Prosopis Cineraria	खेजडी
6	Capparis Decidua	कैर
7	Acacia Tortilis	इजरायली बबूल
8	Acacia Senegal	कुमठा

क्षेत्रीय वन अधिकारी
उनियारा

मरिय शाइन ए,
उप वन संरक्षक,
टोंक

कार्यालय उप वन संरक्षक झालावाड़

प्रमाण पत्र

जिला :- टोंक

रेंज :- उनियारा

रक्षित वनखण्ड :- खातौली (ए) एवं (बी)

वन मंडल :- टोंक

1. प्रारूप में दर्शाई गई भूमि की प्रकृति राजस्व जमाबन्दी में जंगलात वन विभाग के नाम से दर्ज है तथा यह क्षेत्र वर्तमान में वन विभाग के नाम अमल दरामद है।
2. विज्ञप्ति प्रपत्र में उल्लेखित भूमि वन विभाग के अधीन है। प्रस्तावित भूमि में कोई अतिक्रमण, खनन कार्य नहीं किये हुए है।
3. प्रस्तावित वन क्षेत्रों में समस्त क्षेत्र पूर्व से ही विभाग के अधीन है। जिस पर वृक्षारोपण स्थापित किया गया है एवं यह क्षेत्र वर्तमान में वन विभाग के नाम अमल दरामद है।
4. प्रस्तावित भूमि पर वृक्षों का घनत्व 0.10 से 0.20 तक का है एवं इन क्षेत्रों में मुख्य रौंझ, देशी बबूल, नीम, झड बेरी एवं मिश्रित प्रजातियों के पेड एवं झाडिया है।
5. प्रस्तावित क्षेत्र की समस्त भूमि वन विभाग के अधीन है प्रस्ताव संख्या FP/RJ/WATER/11042/2013 ईसरदा डेम निर्माण में प्रभावित हुई वन भूमि की एवज में खसरा ग्राम खातौली में कुल 38.94 है0 गैर वन भूमि का आवंटन जिला कलेक्टर टोंक के द्वारा किया गया जो कि वन विभाग के खाते में दर्ज है। समीपवर्ती खातेदारी भूमिया वन सीमाओं से पृथक है एव इससे प्रस्तावित वन क्षेत्रों के संरक्षण में कोई अवरोध नहीं होगा। विभागाधीन भूमियों का विकास कार्यों में उपयोग हो रहा है।
6. प्रस्तावित भूमियों का मानचित्र संलग्न है।
7. पूर्व में खसरावार भूमि का मौके पर सुविज्ञ रूप से सीमाज्ञान नहीं होने कारण अधिसूचना हेतु प्रस्ताव प्रस्तुत नहीं किये जा सके थे किन्तु अब सीमाज्ञान के पश्चात नये प्रस्ताव बनाये जाकर प्रेषित किये जा रहे हैं।
8. इस वनभूमि का पूर्व में राजपत्र में प्रकाशन नहीं हुआ है।

क्षेत्रीय वन अधिकारी
उनियारा

मरिय शाइन ए,
उप वन संरक्षक,
टोंक

राज्य केन्द्रीय मुद्रणालय, जयपुर।